निवेशकों की निगाह यूपी पर : योगी

रक्षा मंत्री, भारी उद्योग मंत्री व सीएम ने लखनऊ में किया ईवी प्लांट का उद्घाटन

- मुख्यमंत्री ने कहा- कारोबारी सुगमता और अच्छे परिवेश के कारण यूपी में उद्यमी तलाश रहे हैं संभावनाएं
- राजनाथ बोले, योगी को हम राजनीति में ही सिद्धहस्त समझते थे पर अब अर्थशास्त्र का भी विशेषज्ञ मानता हूं

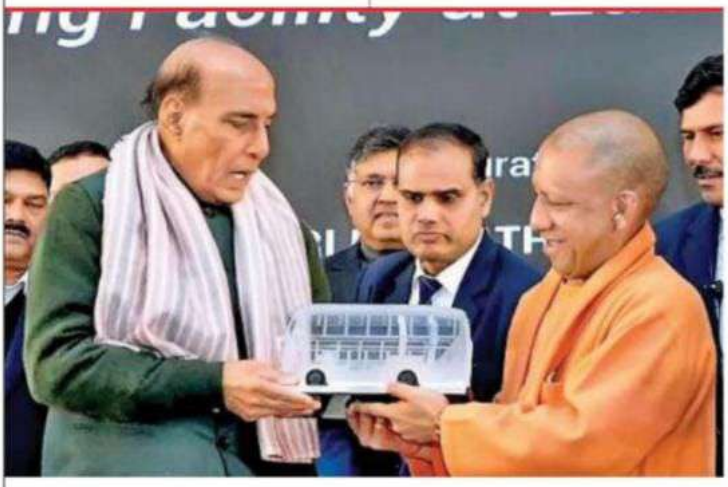

लखनऊ के सरोजनी नगर में अशोक लेलैंड प्लांट के उद्घाटन के अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ● सूचना विभाग

राज्य ब्यूरो, जागरण ● लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कारोबारी सुगमता और बेहतर परिवेश के कारण दुनियाभर के निवेशक यूपी में उद्यम की संभावनाएं तलाश रहे हैं। साढ़े आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश असीमित संभावनाओं को परिणाम में बदलने वाला राज्य बन गया है। वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश उपद्रवग्रस्त प्रदेश था, लेकिन अब उत्सव वाला प्रदेश बन चुका है। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमार स्वामी के साथ सरोजनी नगर में स्कूटर इंडिया की भूमि पर स्थापित हिंदुजा समूह की कंपनी अशोक लेलैंड के इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) प्लांट का शुक्रवार को उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री लोगों को संबोधित कर रहे थे। 258 करोड़ रुपये की लागत से इस प्लांट का संचालन 18 माह में शुरू किया गया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि विकसित भारत का रास्ता, विकसित उत्तर प्रदेश से होकर जाएगा। मुख्यमंत्री की प्रशंसा में उन्होंने कहा कि उन्हें वह राजनीति में ही सिद्धहस्त समझते थे पर अब मानते हैं कि अर्थशास्त्र के भी यह विशेषज्ञ हैं।

मुख्यमंत्री ने हिंदुजा परिवार का आभार जताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के लिए यह निवेश महत्वपूर्ण है। वर्ष 2017 के पहले यूपी की अराजकता किसी से छिपी नहीं थी, निवेशक पलायन कर रहे थे। हमारी सरकार के सत्ता में आने के बाद से साढ़े आठ वर्षों में राज्य की पहचान बदली है। 70 एकड़ भूमि पर स्थापित अशोक लेलैंड के इस प्लांट में एक वर्ष में 2500 ईवी का निर्माण होगा। अगले चरण में प्रति वर्ष पांच हजार ईवी के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। इस प्लांट में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से प्रदेश के हजारों युवाओं को रोजगार मिल सकेगा। देश में पहली रैपिड रेल व वाटर-वे का संचालन भी यूपी में शुरू हो चुका है।

योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज इंडस्ट्री फर्स्ट, इन्वेस्टर्स फर्स्ट के दृष्टिकोण से देश-दुनिया के हर निवेशक का महत्वपूर्ण पसंदीदा स्थल बन चुका है। पिछले साढ़े आठ वर्षों में 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए। 15 लाख करोड़ के प्रस्ताव की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। अगले महीने होने वाली जीबीसी में छह लाख करोड़ के अन्य निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन 2047 को ध्यान में रखते हुए यह प्लांट मेक इन इंडिया के साथ ही आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को बढ़ाने की दिशा में उठाया गया कदम है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आर्थिक विकास का पर्याय बन चुका है। अशोक लेलैंड का ईवी निर्माण प्लांट प्रदेश को स्वच्छ और हरित परिवहन के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाएगा। लखनऊ की भूमि सभी को आसानी से अपने हृदय में जगह देती है और पूरा सहयोग करती है। रक्षा क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश सेना के लिए गोला-बारूद से लेकर एयरक्राफ्ट और ब्रह्मोस जैसी मिसाइल का निर्माण कर रहा है।

निवेश के डग >> संपादकीय

हिंदुजा समूह 10 हजार युवाओं को देगा प्रशिक्षण, हाइड्रोजन ईंधन की भी तैयारी

हिंदुजा समूह राज्य के 10 हजार युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण देगा। हिंदुजा समूह के अध्यक्ष धीरज हिंदुजा ने कहा कि समूह की अन्य कंपनियां भी निवेश की संभावनाएं देख रही हैं। इस प्लांट से लखनऊ को हरित औद्योगिक मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी। 1948 में स्थापित हुई उनकी कंपनी 15 से अधिक देशों में भारतीय विनिर्माण क्षमता का वैश्विक स्तर पर प्रतिनिधित्व कर रही है। कंपनी हाइड्रोजन चलित वाहनों की तकनीक भी देश में लाने की तैयारी कर रही है। इस प्लांट में फिलहाल ईवी बसों का निर्माण किया जाएगा।

देश में बनेंगे 70,000 से अधिक ईवी चार्जिंग स्टेशन : भारी उद्योग मंत्री

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमार स्वामी ने कहा कि यह ईवी प्लांट देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को नई उड़ान देगा। पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत देश में 70,000 से अधिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना की जा रही है। 11,500 करोड़ के व्यय वाली फेम-2 योजना ने देश भर में ईवी अपनाने की प्रक्रिया को गति दी है।

18 माह में शुरू हुए इस प्लांट में प्रति वर्ष बनाए जाएंगे 2500 इलेक्ट्रिक व्हीकल

लैंब्रेटा से ई-बस तक की विकास यात्रा

लखनऊ : स्कूटर्स इंडिया ने 70 के दशक में लैंब्रेटा स्कूटर लांच किया था। 56 वर्ष बाद उसी परिसर में अशोक लीलैंड की ई-बस को हरी झंडी मिलने से एक नए युग की शुरुआत हो गई, लखनऊ के आर्थिक विकास को अब नई गति की उम्मीद है। ● जागरण सिटी

MAGZTER